Hindi Murli Quiz 16-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **इस समय तो सब पतित हैं परन्तु भक्ति मार्ग की भी महिमा है, भक्त माला भी गाई जाती है ना।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.2) **प्रदर्शनी में भी तुम लिख सकते हो कि शान्तिधाम और सुखधाम का यह मार्ग है, शान्तिधाम और सुखधाम में जाने का सहज मार्ग। अभी तो कलियुग है ना। कलियुग से सतयुग, पतित दुनिया से पावन दुनिया में जाने का सहज रास्ता - बिगर कौड़ी खर्चा।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.3) **रूद्र माला है ___युग की, यह राज तुम बच्चों की बुद्धि में है। यह बातें तुमको बाप सम्मुख बैठ समझाते हैं।**

A. सत
B. संगम

Q.4) **अभी बाबा आते ही हैं तुमको लिफ्ट देने।...**

A. सेकेण्ड में चढ़ती कला होती है।
B. तुम स्वदर्शन चक्रधारी बनते हो |
C. तुम स्वर्ग की राजाई प्राप्त करते हो |
D. अपने को याद करना सिखलाते हैं |

Q.5) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें |**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. अभी तुम पुरूषार्थ कर जितना बाप से वर्सा लेना है उतना ले लो। नहीं तो पिछाड़ी में पश्चाताप करना पड़ेगा।
B. कलियुगी भक्ति मार्ग का एक भी चिन्ह नहीं होना चाहिए। हाथ जोड़ना भी भक्ति मार्ग का चिह्न है |
C. यह लिखा हुआ है-भंभोर को आग लगती है तब कुम्भकरण की नींद से जागते हैं।
D. भ्रमरी कीड़े को चेन्ज कर आपसमान बनाती है। सन्यासी भी चेन्ज करते हैं! सफेद कपड़े वाले को गेरू कपड़े पहनाकर पावन बनाने का प्रयास करते हैं |
E. बाबा राय देंगे - ऐसे-ऐसे तोड़ निभाओ। अगर राय पर चलेंगे तो कदम-कदम पर पदम मिलेंगे।ऐसा नहीं राय ली तो रेसपॉन्सिबिल्टी छूटी।

Q.6) **तुम अभी बलि चढ़ते हो ना, तो भक्ति मार्ग में भी फिर वह बातें चलती हैं। तो शिव पर जाकर बलि चढ़ते हैं। अब बाप समझाते हैं वापिस तो कोई जा नहीं सकते। हाँ, इतना बलिहार जाते हैं तो पाप कट जाते हैं फिर हिसाब-किताब नयेसिर शुरू होता है।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.7) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	बेहद के बाप से बेहद सुख का वर्सा लेने के लिए	1	उन जैसी प्यारी चीज कोई होती नहीं।
B	इस पुरूषोत्तम युग में	2	के बैलेन्स द्वारा बाप को प्रत्यक्ष करने वाले विशेष सेवाधारी भव!
C	नम्रता और अथॉरिटी	3	स्वयं को सर्व बन्धनों से मुक्त कर जीवनमुक्त बनना है।
D	अपने को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो।	4	डायरेक्ट ईश्वर अर्थ दान-पुण्य करना है।
E	स्त्री के माथे पर मटकी में ज्योत जगाते हैं, पति के ऊपर नहीं जगाते	5	दूसरा न कोई। सिवाए मेरी याद के तुम्हारे पाप भस्म नहीं होंगे।
F	मोस्ट बिलवेड बाबा मिला है।	6	उनको ईश्वर कहते हैं।

Q.8) **मनुष्यों को यह पता नहीं है कि स्वदर्शन चक्र क्या है? शास्त्रों में कृष्ण को भी स्वदर्शन चक्र दे __ ही __ दिखा दी है। वास्तव में है ज्ञान की बात। तुम अभी स्वदर्शन चक्रधारी बने हो उन्हों ने फिर __की बात दिखा दी है।**

A. ज्ञान कटारी
B. हिंसा
C. भक्ति
D. अज्ञानता

Q.9) **बेहद के बाप द्वारा तुमको स्वर्ग में बेहद का सुख मिलता है। ईश्वर अर्थ दान पुण्य करते हैं ना। वह है**

A. डायरेक्ट |
B. भक्ति मार्ग |
C. इनडायरेक्ट।
D. रांग |

Q.10) **जो सतोप्रधान पुरुषार्थी हैं उनकी निशानी क्या होगी?**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. ज्ञान धन से झोली भरकर दान करेंगे।
B. वह औरों को भी आप समान बनायेंगे।
C. 21 जन्मों के लिए वर्सा लेंगे और दूसरों को भी दिलायेंगे।
D. वह बहुतों का कल्याण करते रहेंगे।